

हरमुज़ जलडमरूमध्य को बंद करना: आर्थिक परमाणु विकल्प

फ्रैंक हर्बर्ट की **Children of Dune** (2003 मिनीसीरीज़) में, अराकिस पर कब्ज़ा करने या उसकी रक्षा करने वाली साज़िशों के बीच, एक तेज़-धार वाली सच्चाई उभरती है: **“यह नहीं कि कौन मसाले पर नियंत्रण रखता है, बल्कि कौन मसाले को बाधित करने की क्षमता रखता है।”**

यह पंक्ति साम्राज्य के मुखौटे को चीर देती है। हर्बर्ट के ब्रह्मांड में, मसाला मेलांज अंतिम संसाधन है—जीवन को लंबा करता है, पूर्वानुमान देता है, फोल्डस्पेस नेविगेशन को शक्ति प्रदान करता है। फिर भी असली शक्ति इसमें नहीं है कि इसे काटा जाए या संग्रहित किया जाए, बल्कि इसमें है कि इसे काट देने की विश्वसनीय धमकी। जो भी प्रवाह को रोक सकता है, वह आकाशगंगाओं को गले से पकड़ लेता है।

6 मार्च 2026 के साथ समानता स्पष्ट है। आधुनिक सभ्यता मसाले पर नहीं बल्कि ऊर्जा पर चलती है, और अराकिस की नाजुक जीवनरेखा का वास्तविक दुनिया में सबसे करीबी समकक्ष **हरमुज़ जलडमरूमध्य** है—एक संकीर्ण समुद्री गलियारा जो अपनी सबसे संकरी जगह पर मुश्किल से 50 किलोमीटर चौड़ा है। यह वैश्विक समुद्री तेल का लगभग **एक-पांचवां** हिस्सा और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (**LNG**) निर्यात का लगभग **एक-चौथाई** हिस्सा ले जाता है। सामान्य समय में, यह प्रवाह इतना स्थिर होता है कि यह अदृश्य बुनियादी ढांचा बन जाता है। लेकिन यह स्थिरता दिखावटी है जो असाधारण कमजोरी छिपाती है: वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ही, आसानी से धमकी देने योग्य चोकपॉइंट से निर्बाध गुजरने पर निर्भर है।

चल रही संकट ने इस कमजोरी को उजागर कर दिया है। 28 फरवरी से शुरू हुई अमेरिका-इज़राइल की ईरान पर हमलों (ऑपरेशन एपिक फ्यूरी) के बाद, ईरान की जवाबी कार्रवाइयाँ—जहाजों और सुविधाओं पर हमले, IRGC द्वारा बंद करने की घोषणाएँ, और किसी भी जहाज के पारगमन के खिलाफ स्पष्ट धमकियाँ—ने टैंकर ट्रैफिक को लगभग शून्य कर दिया है। सैकड़ों जहाज (अनुमान 150-200 टैंकर और अन्य जहाजों से अधिक) खाड़ी में लंगर डाले या फंसे हुए हैं, हिल नहीं सकते। उत्पादन रुकने की लहरें बाहर फैल रही हैं, कतरएनर्जी के रास लफ्फान में फोर्स मेज्योर से लेकर क्षतिग्रस्त टैंकरों और रुके हुए प्रवाह तक।

फिर भी, जलडमरूमध्य को बंद करने वाली निर्णायक तंत्र शुद्ध सैन्य नहीं है। मिसाइलें और ड्रोन ने मंच तैयार किया, लेकिन अदृश्य ट्रिगर **वित्तीय** रहा है: समुद्री बीमा का पतन।

अदृश्य ट्रिगर: बीमा का पतन

वैश्विक शिपिंग एक छिपी हुई कवरेज की परत पर टिकी है—हल बीमा, प्रोटेक्शन एंड इंडेन्निटी (P&I), और विशेष रूप से युद्ध-जोखिम नीतियाँ जो मुख्य रूप से लंदन के बाजार में लिखी जाती हैं, जिसमें लॉयड्स ऑफ लंदन और इंटरनेशनल ग्रुप ऑफ P&I क्लब्स (Gard, Skuld, NorthStandard, London P&I Club, American Club आदि) शामिल हैं। इनके बिना, चार्टर अनुबंध नौकायन पर रोक लगाते हैं, ऋणदाता वित्तपोषण रोक देते हैं, और बंदरगाह प्रवेश से इनकार कर देते हैं।

संकट के शुरुआती दिनों में, बीमाकर्ताओं ने जोखिम को अब गणना योग्य नहीं माना। प्रमुख खिलाड़ियों ने ईरानी जल, फारस की खाड़ी, आसपास के क्षेत्रों और हरमुज़ जलडमरूमध्य में युद्ध-जोखिम एक्सटेंशन के लिए रद्द करने की सूचनाएँ जारी कीं—5 मार्च 2026 से प्रभावी, 1-2 मार्च से शुरू हुई 72 घंटे की सूचनाओं के बाद। जॉइंट वॉर कमिटी ने उच्च-जोखिम क्षेत्र को पूरे खाड़ी क्षेत्र तक विस्तारित किया। किसी भी शेष कवरेज के लिए प्रीमियम आसमान छू गए (रिपोर्ट्स में हल मूल्य के 0.25% से 1% तक की छलांग, या कुछ मामलों में 12 गुना वृद्धि; \$100 मिलियन टैंकर के लिए, प्रति यात्रा युद्ध-जोखिम प्रीमियम ~\$200,000 से ~\$1 मिलियन तक कूद जाते हैं), जिससे अधिकांश ऑपरेटर्स के लिए पारगमन आर्थिक रूप से असंभव हो गया।

परिणाम: एक समुद्री धमनी जो **तकनीकी रूप से खुली** है लेकिन **आर्थिक रूप से उपयोग योग्य नहीं**। टैंकर नहीं चलते क्योंकि कोई विश्वसनीय बीमा उनका समर्थन नहीं करता। कुछ साहसी जहाज अंधेरे में चल सकते हैं (AIS बंद), लेकिन व्यावसायिक ट्रैफिक 75-80% या अधिक गिर गया है, 6 मार्च तक पिछले 24 घंटों में कोई तेल शिपमेंट नहीं और केवल छिटपुट कार्गो पारगमन। जलडमरूमध्य वास्तव में बंद है—न कि माइंस या ब्लॉकशिप्स से, बल्कि लंदन में अंडरराइटर्स द्वारा फोन बंद करने से।

1973 से कहीं बड़ी झटका

1973-1974 की तेल संकट अभी भी बेंचमार्क है: OPEC कटौती और प्रतिबंधों ने वैश्विक तेल आपूर्ति को **7-12%** कम किया (औसत ~9% कमी), कीमतों को **~\$3/बैरल** से **\$11-12** तक चौगुना कर दिया और दशक भर के स्टैगप्लेशन को जन्म दिया।

2026 हरमुज व्यवधान संरचनात्मक रूप से कहीं बड़ा है: - प्रभावी तेल आपूर्ति हानि **18-21%** (सऊदी अरब/यूएई से आंशिक पाइपलाइन बाईपास उत्पादन रुकने और पारगमन लकवे के बीच सीमित राहत देते हैं)। - वैश्विक LNG निर्यात का **20-25%** व्यवधान (कतर और यूएई के वॉल्यूम ऑफलाइन, LNG बाजार तेल से कहीं कम लचीले हैं)। - पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की कमी और फंसे जहाजों द्वारा बेड़े की क्षमता हटाई गई।

आज की जस्ट-इन-टाइम, कंटेनराइज्ड सप्लाई चेन सुनिश्चित करती है कि झटका 1970 के दशक से तेज और व्यापक फैले।

आतंक की गणित

अल्पकालिक ऊर्जा मांग अत्यधिक असलastic है (**लचीलापन अनुमान -0.05 से -0.3**)। उपभोक्ता रातोंरात कारें नहीं बदल सकते, उद्योग तुरंत ईंधन नहीं बदल सकते, और आतंक जमाखोरी/सट्टेबाजी को बढ़ाता है।

1973 में, <10% की मार ने **300-400%** उछाल पैदा किया। दोगुने से अधिक व्यवधान—LNG कमी और शिपिंग लकवे से यौगिक—अनिश्चित परिदृश्यों में गैर-रैखिक वृद्धि ट्रिगर कर सकता है। वर्तमान ब्रेंट स्तर **\$84-85** के आसपास मंडरा रहे हैं (महीने की शुरुआत से 15-23% ऊपर अस्थिरता के बीच), बाजार अस्थायी अवधि का मूल्यांकन कर रहे हैं। मुख्यधारा के पूर्वानुमान लंबे मामलों को **\$90-120** (या **\$140** टेल-रिस्क) तक सीमित करते हैं, ऑफसेट और मांग विनाश मानते हुए। लेकिन यदि धारणा अनिश्चित बंद होने की ओर बदलती है, तो मनोवैज्ञानिक बदलाव अनमॉडलड चरम को मुक्त करता है—पूर्ण आतंक में **800-1000%** उछाल **\$600-750/बैरल** या उससे अधिक तक।

रणनीतिक भंडार: सीमित बफर

IEA सदस्यों के पास **90+ दिनों** की शुद्ध आयात कवरेज (प्लस अतिरिक्त) है। समन्वित रिलीज़ शुरुआती कमी को कम कर सकती हैं। लेकिन भंडार उलटी गिनती हैं, मुक्ति नहीं। आक्रामक ड्रॉडाउन लंबे मामलों में देर गर्मी/शरद ऋतु तक समाप्ति का जोखिम उठाते हैं, राशनिंग या समाप्ति को मजबूर करते हैं—और बाजारों को गायब बफर का सामना करने पर नई मूल्य लहरें ट्रिगर करते हैं।

झरने वाली आर्थिक प्रभाव

व्यवधान ऊर्जा बाजारों से परे फैलता है, एक श्रृंखला प्रतिक्रिया शुरू करता है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था की हर परत में फैलती है। जो स्थानीय चोकपॉइंट संकट के रूप में शुरू होता है, वह व्यापक संरचनात्मक क्षति में बदल जाता है, जहां उच्च ऊर्जा लागतें परस्पर जुड़े सिस्टमों में गुणक के रूप में कार्य करती हैं। प्रभाव समय के साथ बढ़ते हैं: शुरुआती मूल्य झटके व्यावहारिक बदलावों, आपूर्ति बाधाओं, उत्पादन में कमी, और अंततः गतिविधि और रोजगार में गहरी सिकुड़न में बदल जाते हैं। अनिश्चित या लंबे परिदृश्य में, ये झरने तेज हो जाते हैं, अस्थायी अस्थिरता को प्रणालीगत कमजोरी में बदल देते हैं।

शिपिंग और वैश्विक व्यापार का लकवा

तत्काल और सबसे दृश्यमान प्रसार समुद्री परिवहन में होता है। बंकर ईंधन की कीमतें कूड के साथ बढ़ती हैं, जबकि युद्ध-जोखिम बीमा प्रीमियम पहले ही फट चुके हैं—कुछ दिनों में हल मूल्य के ~0.25% से 1% (या अधिक) तक कूद गए, जहाज के आकार के आधार पर प्रति यात्रा लाखों-करोड़ों जोड़ते हैं। प्रमुख P&I क्लब्स (Gard, Skuld, NorthStandard, London P&I Club, American Club) ने 1-2 मार्च की सूचनाओं के बाद 5 मार्च से प्रभावी रद्दीकरण जारी किए, जिससे अधिकांश के लिए पारगमन आर्थिक रूप से असंभव हो गया।

फंसे टैंकर (150-200 से अधिक जहाज खाड़ी में लंगर डाले या निष्क्रिय रिपोर्टेड) प्रभावी बेड़े क्षमता को सिकोड़ते हैं, जो असंरक्षित या उच्च-प्रीमियम यात्राओं के जोखिम वाले लोगों के लिए केप ऑफ गुड होप के आसपास रीरूटिंग मजबूर करते हैं। ये डिटर हजारों मील, हफ्तों का पारगमन समय, और वैकल्पिक बंदरगाहों पर भारी भीड़ जोड़ते हैं। फ्रेट दरें गुणा हो जाती हैं—सुपरटैंकर और कंटेनर सरचार्ज अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचते हैं, प्रभावित मार्गों पर प्रति TEU हजारों में इमरजेंसी फीस के साथ।

प्रभाव वैश्विक व्यापार पर व्यापक रूप से पड़ता है: उपभोक्ता वस्तुएं, औद्योगिक घटक, इलेक्ट्रॉनिक्स, और कच्चे माल अधिक महंगे और विलंबित हो जाते हैं। जस्ट-इन-टाइम विनिर्माण धीमा हो जाता है; इन्वेंटरी बफर खत्म हो जाते हैं; और ऊर्जा से दूर क्षेत्रों में सप्लाइ-चेन बोटलनेक उभरते हैं। एशिया के बंदरगाह (जेबेल अली जैसे खाड़ी ट्रांसशिपमेंट हब पर भारी निर्भर) बैकलॉग का सामना करते हैं, जबकि भारत (जैसे बंदरगाहों पर फंसी बासमती चावल शिपमेंट) और अन्य जगहों के निर्यातक लाखों टन फंसे रिपोर्ट करते हैं। शुद्ध प्रभाव व्यापारित वस्तुओं में व्यापक मुद्रास्फीति है, जो कॉर्पोरेट मार्जिन और घरेलू बजट दोनों को दबाती है।

खाद्य प्रणालियां घेराबंदी में

ऊर्जा लागतें कृषि में हर चरण में घुस जाती हैं, तेल/LNG झटके को गहन खाद्य संकट में बदल देती हैं। डीजल ट्रैक्टर, हार्वेस्टर और सिंचाई पंप चलाता है; प्राकृतिक गैस नाइट्रोजन उर्वरकों (यूरिया, अमोनिया) का प्राथमिक फीडस्टॉक है; और समुद्री शिपिंग अनाज, तेल और प्रोसेस्ड फूड को वैश्विक रूप से ले जाती है।

उर्वरक बाजार तेजी से प्रतिक्रिया करते हैं: वैश्विक यूरिया व्यापार का लगभग एक-तिहाई (मुख्य नाइट्रोजन स्रोत) जलडमरूमध्य से गुजरता है या खाड़ी उत्पादकों से आता है। कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं—न्यू ऑरलियन्स में यूरिया बाजार ~\$475/टन से संकट पूर्व \$520-\$550/टन तक कुछ दिनों में कूद गई (11-17% या \$50-\$80/टन ऊपर), एक सप्ताह में \$60-\$80/टन वृद्धि की रिपोर्ट्स और लंबे होने पर सैकड़ों अधिक की संभावना। फॉस्फेट और अन्य पोषक तत्व समान पथ अपनाते हैं। उत्तरी गोलार्ध में वसंत बुवाई का सामना करने वाले किसान लागत प्रबंधन के लिए आवेदन दरें कम करते हैं, आगामी फसलों में कम उपज का कारण बनते हैं।

परिवहन मुद्रास्फीति दर्द बढ़ाती है: उच्च फ्रेट और ईंधन लागत आयातित गेहूं, पशु चारा और स्टेपल्स की लैंडेड कीमतें बढ़ाती हैं, ब्रेड, मुर्गी, पोरक, डेयरी, सीफूड और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतें बढ़ाती हैं। आयात-निर्भर क्षेत्रों (जैसे अफ्रीका के हिस्से, दक्षिण एशिया) में खाद्य मुद्रास्फीति मानवीय सीमाओं की ओर तेज होती है; धनी राष्ट्र दर्दनाक लेकिन प्रबंधनीय वृद्धि सहन करते हैं। वैश्विक खाद्य उत्पादन—लगभग आधा सिंथेटिक नाइट्रोजन पर निर्भर—नीचे दबाव का सामना करता है, कमजोर क्षेत्रों में कमी और राजनीतिक अस्थिरता का जोखिम।

औद्योगिक और निर्माण का ब्रेकडाउन

ऊर्जा-गहन उद्योग अगली मार सहन करते हैं। स्टील उत्पादन, रसायन निर्माण, सीमेंट भट्टियां, और भारी मशीनरी सभी सस्ते, विश्वसनीय हाइड्रोकार्बन और बिजली (अक्सर गैस-बैलेंस) पर निर्भर हैं। इनपुट लागतें असतत हो जाती हैं: ऊर्जा बिलों के दोगुने-तिगुने होने से स्टील की कीमतें बढ़ती हैं और मार्जिन गायब हो जाते हैं; रसायन संयंत्र (पेट्रोकेमिकल-निर्भर) उत्पादन कम करते हैं या बंद हो जाते हैं।

निर्माण—वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े रोजगारदाताओं में से एक—सामग्री लागत (स्टील, सीमेंट, एस्फाल्ट) में उछाल और मुद्रास्फीति भय के बीच उच्च ब्याज दरों से वित्तपोषण बाधाओं के बोझ तले जम जाता है। डेवलपर प्रोजेक्ट रोकते हैं; इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रम रुक जाते हैं; पहले से तनावपूर्ण बाजारों में आवास कमी बढ़ती हो जाती है। क्षेत्र की सिकुड़न बेरोजगारी और संबंधित वस्तुओं (उपकरण, फर्नीचर) की मांग में कमी में वापस आती है, मंदी को गहरा करती है।

वित्तीय बाजार और क्रेडिट क्रंच

वित्तीय प्रणालियां विकास उम्मीदों के पतन पर हिंसक प्रतिक्रिया करती हैं। एयरलाइंस, लॉजिस्टिक्स, रिटेल, विनिर्माण और उपभोक्ता विवेकाधीन क्षेत्रों में कमाई पूर्वानुमानों के क्रैश होने से इक्विटी इंडेक्स गिरते हैं। सुरक्षित-हेवन प्रवाह बॉन्ड यील्ड को अस्थिर बनाते हैं; क्रेडिट बाजार बैंक बढ़ते डिफॉल्ट और कोलेटरल मूल्यहास के खिलाफ प्रावधान बढ़ाते हैं। लिक्विडिटी ठीक तब गायब हो जाती है जब व्यवसायों को वर्किंग कैपिटल या हेजिंग के लिए सबसे ज्यादा जरूरत होती है।

कॉर्पोरेट ऋण बोझ उच्च ब्याज दरों (मुद्रास्फीति पुनरुत्थान से जूझते केंद्रीय बैंक) और गिरती राजस्व के नीचे बढ़ते हैं। कार्बन-गहन क्षेत्रों में फंसे एसेट्स नुकसान बढ़ाते हैं; ऊर्जा-लिंक्ड डेरिवेटिव्स जैसे परस्पर जुड़े एक्सपोजर से प्रणालीगत जोखिम संक्रामक भय बढ़ाते हैं।

रोजगार झटका और दुष्चक्र

मानवीय लागत बेरोजगारी की लहरों में प्रकट होती है। ऊर्जा-गहन क्षेत्र पहले नौकरियां कम करते हैं—एयरलाइंस उड़ानें ग्राउंड करती हैं, ट्रकिंग फर्म वाहन निष्क्रिय करती हैं, रसायन संयंत्र कर्मचारियों को निकालते हैं। लहरें फैलती हैं: उपभोक्ता खर्च में कमी (घरेलू अधिक आवश्यक वस्तुओं जैसे भोजन, हीटिंग और परिवहन पर आवंटित) रिटेल, आतिथ्य और सेवाओं को कठिनाई से मारती है। निर्माण छंटनी दर्द बढ़ाती है।

खोया आय + बेसिक्स के लिए बढ़ती लागतें गरीबी जाल बनाती हैं: घरेलू विवेकाधीन खर्च और कम करते हैं, व्यवसाय विफलताओं और मांग विनाश को तेज करते हैं। जो क्षेत्रीय सिकुड़न के रूप में शुरू होता है, वह व्यापक मंदी में विकसित होता है—या अनिश्चित परिदृश्यों में अवसाद—जहां विश्वास पुनर्निर्माण, असफल उद्यमों को पुनः शुरू करने और सप्लाई चेन बहाल करने में वर्षों लगते हैं।

ये झरने परस्पर निर्भरता की कमजोरी दिखाते हैं: ऊर्जा परिवहन को समर्थन देती है, परिवहन व्यापार सक्षम बनाता है, व्यापार उद्योग और खाद्य प्रणालियों को बनाए रखता है, उद्योग रोजगार समर्थन देता है, और रोजगार उपभोग चलाता है। ऊर्जा आधार काट दें, और संरचना परत-दर-परत टूट जाती है। लंबे व्यवधान में, वैश्विक अर्थव्यवस्था सिर्फ धीमी नहीं होती—वह खुल जाती है, पुनर्प्राप्ति क्षितिज वर्षों की बजाय दशकों तक फैल जाते हैं। हरमुज़ का बीमा-ट्रिगर्ड बंद होना पहले ही दिखा चुका है कि वित्तीय तंत्र अकेले सैन्य बल से क्या हासिल कर सकता है: प्रवाह रोकना और प्रणालीगत पतन मुक्त करना।

ईरान अप्रत्याशित संरक्षक के रूप में: ग्रह के लिए प्रवाह बाधित करना

एक गहन और विडंबनापूर्ण मोड़ में, ईरान की कार्रवाइयाँ—चाहे जानबूझकर या उभरती हुई—देश को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में अनजाने नायक के रूप में स्थापित कर सकती हैं। हरमुज़ जलडमरूमध्य का प्रभावी बंद होना, वैश्विक तेल आपूर्ति के **18-21%** और LNG निर्यात के **20-25%** को काटकर, दुनिया को क्योटो और पेरिस जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों से कभी हासिल न हुई स्केल पर तेज, अनैच्छिक मांग विनाश में मजबूर करता है।

क्योटो (1997) और पेरिस (2015) ने महत्वाकांक्षी लेकिन स्वैच्छिक लक्ष्य निर्धारित किए, क्रमिक संक्रमण, प्रौद्योगिकी प्रसार और राष्ट्रीय वादों पर निर्भर—फिर भी वैश्विक उत्सर्जन दशकों तक बढ़ते रहे, उभरती अर्थव्यवस्थाओं में जीवाश्म ईंधन उपयोग विस्तारित हुआ। हालांकि, हरमुज़ का निरंतर व्यवधान वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को बहुत अधिक आक्रामक रूप से कम कर सकता है: कम तेल और गैस जलाना मतलब दहन से कम CO₂, शिपिंग (रीरूट और कम वॉल्यूम से), और डाउनस्ट्रीम उद्योगों से कम उत्सर्जन। यदि लंबे आतंक में कीमतें **800-1000%** स्तर तक कूदती हैं (क्रूड को **\$600-750/बैरल** या अधिक धकेलती हैं), तो ऊर्जा खपत राशनिंग, कटौती, व्यावहारिक बदलाव और आर्थिक सिकुड़न से ढह जाती है—संभवतः वार्षिक दसियों या सैकड़ों मिलियन टन उत्सर्जन कटौती, पेरिस के तहत नवीकरणीय अपनाने या दक्षता लाभ से वृद्धिशील कटौती को पीछे छोड़ते हुए।

यह इस्लामी पर्यावरण संरक्षण सिद्धांतों से आश्चर्यजनक रूप से मेल खाता है। कुरान मानव को पृथ्वी पर **खलीफा** (उपप्रतिनिधि या संरक्षक) के रूप में वर्णित करता है (जैसे 2:30, 6:165), **अमानत** (विश्वास/जिम्मेदारी) से सृजन की रक्षा और संतुलन सौंपा गया है न कि बर्बादी से शोषण। भूमि को भ्रष्ट न करने (फसाद फिल-अर्द, 7:56, 30:41) और उपभोग में

संयम जैसे अवधारणाएँ भावी पीढ़ियों के लिए संसाधनों को संरक्षित करने पर जोर देती हैं। इस लेंस से ईरान का व्यवधान—ग्रह की संरक्षकता का चरम प्रवर्तन माना जा सकता है: जलवायु व्यवधान चलाने वाले जीवाश्म ईंधनों के अनियंत्रित प्रवाह को रोककर, यह मानवता को संयम, कम निकासी और कार्बन निर्भरता से तेज संक्रमण की ओर मजबूर करता है।

रणनीतिक सबक

सऊदी अरब सबसे अधिक तेल पंप कर सकता है; अमेरिका सबसे बड़ा सैन्य रख सकता है; ऊर्जा दिग्गज उत्पादन नियंत्रित कर सकते हैं। लेकिन कोई भी इस संकट द्वारा उजागर निर्णायक लीवर नहीं रखता।

वह लीवर **व्यवधान** है। ईरान ने—प्रत्यक्ष धमकियों और बीमा बाजार के तर्कसंगत प्रतिक्रिया के माध्यम से—प्रवाह रोकने की क्षमता दिखाई है। वैश्विक अर्थव्यवस्था, सस्ती, निर्बाध ऊर्जा की लत में डूबी हुई जैसे ड्यून ब्रह्मांड मेलांज की, अब अपनी कमजोरी का सामना कर रही है।

हर्बर्ट के शब्दों में, अराकिस की रेतों के बीच बोले गए: **नियंत्रण संसाधन की मालिकाना नहीं है। नियंत्रण प्रवाह रोकने की क्षमता है।**

हरमुज़ जलडमरूमध्य सिर्फ एक शिपिंग लेन नहीं है। यह हमारे ऊर्जा-निर्भर दुनिया की केंद्रीय धमनी है। इसे काटना—यहां तक कि वित्तीय तंत्रों के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से—यह प्रकट करता है कि वैश्वीकरण कितना नाजुक है। मार्च 2026 का सबक सदियों और आकाशगंगाओं में गूंजता है: सच्ची शक्ति मसाले पर नियंत्रण रखने वाले में नहीं, बल्कि उसे बाधित करने वाले में है।